Serial No.: AST-xxx

GOVERNMENT OF INDIA

DEPARTMENT OF ELECTRONICS & INFORMATION TECHNOLOGY (DeitY)

Limited Departmental Competitive Examination – 2015

for the post of Assistant

Paper – I

Noting, Drafting and Précis Writing

Date: 15th December, 2015

Time Allowed: 2 Hours **Marks: 100 Marks**

INSTRUCTIONS

- **Your name, roll number or address must not be disclosed while writing the answers.**
- **Number of Marks allocated to the questions is indicated at the end of each question.**
- **Answers must be written in either English or Hindi only.**

1. निम्नलिखित पद्यांश का लगभग एक तिहाई (1/3) में सारलेख बनाएं और उपयुक्त शीर्षक दें।

कला कल्याण की जननी है। इस धरती पर मनुष्य की उदय-वेला इतिहास कला के द्वारा ही रूपायित हुआ है। कला इस विराट् विश्व की सर्जना शक्ति होने के कारण सृष्टि के समस्त पदार्थों में व्याप्त है। वह अनन्तरूपा है और उसके इन अनन्त रूपों की अभिव्यक्ति एवं निष्पत्ति का आधार कलाकार (परमेश्वर) है। जितने भी तत्त्ववित्, साहित्यसृष्टा और कलाराधक हुए, उन सबने भिन्न-भिन्न मार्गों का अवलम्ब लेकर उसी एकमेव लक्ष्य का अनुसन्धान किया। विभिन्न युगों में कला के रूप की परिकल्पना विभिन्न दृष्टिकोणों से की जाती रही है।

कला को आज जो लोकसम्मान प्राप्त है और सम्प्रति उसको जिस रूप में परिभाषित किया जा रहा है, वह अतीत की अपेक्षा सर्वथा भिन्न है। शिल्प और कला-विषयक प्राचीन ग्रन्थों में कला को 'हस्तकौशल', 'चमत्कार-प्रदर्शन' या 'वैचित्र्य' से बढ़कर दर्जा नहीं दिया गया है; अवश्य ही उसके साहित्य से अलग करके देखा जाता रहा है। उसको 'वस्तु का रूप सँवारने वाली विशेषता, कहा गया है, जैसा कि क्षेमराज की 'शिवसूत्रविमर्षिणी' से स्पष्ट है- 'कलयति स्वरूपं आवेशयति वस्तूनि वा'। किन्तु परवर्ती युगों, और विशेष रूप से वर्तमान समय में कला को जिस रूप में ग्रहण किया जा रहा है उसकी सीमा न तो 'वैचित्र्य' या 'हस्तकौशल' तक ही सीमित है और न उसका उद्देश्य 'वस्तु सँवारना' मात्र है।

कला के लिए 'कौशल' कहने की इस सख्ती मनोवृत्ति का प्रचलन तब हुआ, जब उसका एक मात्र उद्देश्य विलासिता तथा मनोरंजन माना जाने लगा। इस प्रकार के सभी कौशल का संबंध मनोरंजन से था; और यद्यपि कला के चौंसठ या इससे भी अधिक भेद करके तब यह माना जाने लगा कि कला का क्षेत्र इतना व्यापक है कि उसके अन्तर्गत ज्योतिष-दर्शन-व्याकरण आदि विद्याओं का भी समावेश हो जाता है, तथापि वास्तव में इस प्रवृत्ति ने कलामान और कलाबोध, दोनों की स्वस्थ गवेषणा एवं स्थापना को व्यर्थ के बौद्धिक विलास में खो दिया। कला-विषयक इस विलासिता की प्रवृत्ति का व्यापक रूप में प्रचार-प्रसार रहा।

किन्तु इसका आशय यह नहीं है कि समस्त समाज इस सस्ती मनोवृत्ति से अभिभूत था; बल्कि दूसरी ओर कला की धार्मिक तथा आध्यात्मिक परम्पराओं को स्वीकार किये जाने के साथ-साथ उसको व्यावहारिक जीवन में एकरस करने के लिए भी प्रयत्न किये जाते रहे।

(20 अंक)

2. राजस्थान के मुख्य सचिव ने सचिव, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार को राज्य के सभी कॉलेजों में तीव्र गति का इंटरनेट कनेक्शन प्रदान करने के लिए लिखा। सचिव, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने पत्र के मार्जिन पर अपनी आरंभिक टिप्पणी लिखी कि सरकार सभी सरकारी कॉलेजों में देश भर के सूचना और अनुसंधान कार्य के आदान – प्रदान के लिए जुड़ाव हेतु अपने ''ई–शासन कार्यक्रम'' के तहत एक योजना तैयार कर रही है। इस विषय में सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों से विचार मांगे गए हैं।

सचिव, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से राजस्थान के मुख्य सचिव को उपरोक्त के विषय में एक अर्ध शासकीय पत्र का प्रारूप तैयार करें।

(20 अंक)

3. वित्त मंत्रालय ने भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को गैर विकास व्यय और प्राथमिकता वाली योजनाओं के लिए अतिरिक्त संसाधन जारी करने के विचार से मितव्ययिता के अनुदेश जारी किए हैं। अनुदेशों में व्यय में 10 प्रतिशत की अनिवार्य कटौती के साथ निम्न पर प्रतिबंध शामिल है (क) विदेशों और पंच सितारा होटलों में गोष्ठियों, सम्मेलनों (ख) नए वाहनों की खरीद (ग) विदेश यात्रा आदि।

एक आत्मनिहित प्रस्ताव का प्रारूप और सचिव, डीईआईटीवाई की ओर से इसके प्रशासनिक नियंत्रण के तहत आने वाली संस्थाओं तथा संबद्ध संगठनों के प्रमुख को भेजने के लिए प्रारूप पत्र तैयार करें, जिसमें उन्हें किफायत के अनुदेशों को पालन करने का अनुरोध किया गया हो।

(20 अंक)

1. Make précis of the following passage in about one-third (1/3rd) of its length and suggest a suitable title.

When in the Course of human events it becomes necessary for one people to dissolve the political bands which have connected them with another and to assume among the powers of the earth, the separate and equal station to which the Laws of Nature and of Nature's God entitle them, a decent respect to the opinions of mankind requires that they should declare the causes which impel them to the separation.

We hold these truths to be self-evident, that all men are created equal, that they are endowed by their Creator with certain unalienable Rights that among these are Life, Liberty and the pursuit of Happiness. That to secure these rights, Governments are instituted among Men, deriving their just powers from the consent of the governed, — That whenever any Form of Government becomes destructive of these ends, it is the Right of the People to alter or to abolish it, and to institute new Government, laying its foundation on such principles and organizing its powers in such form, as to them shall seem most likely to affect their Safety and Happiness.

Prudence, indeed, will dictate that Governments long established should not be changed for light and transient causes; and accordingly all experience had shown that mankind are more disposed to suffer, while evils are sufferable than to right themselves by abolishing the forms to which they are accustomed. But when a long train of abuses and usurpations, pursuing invariably the same Object evinces a design to reduce them under absolute Despotism, it is their right, it is their duty, to throw off such Government, and to provide new Guards for their future security. — Such has been the patient sufferance of these Colonies; and such is now the necessity which constrains them to alter their former Systems of Government.

(20 marks)

2. The Chief Secretary of Rajasthan has written to the Secretary, Department of Electronics & Information Technology, Government of India for providing high speed Internet connection in all the colleges of the State. Secretary, DeitY put his initial remarks on the margin of the letter that Government of India is in the process of formulating a scheme under its 'e-Governance Programme' for linking of all the Government colleges for exchange of information and research work in the country. In this regard views of all the State Governments and Union Territories have been asked for.

Draft a D.O. letter from Secretary, DEITY to the Chief Secretary of Rajasthan Government bringing out the above.

(20 Marks)

3. Ministry of Finance have issued austerity instructions to all Ministries and Departments of the Government of India with a view to containing non-developmental expenditure and releasing additional resources for priority schemes. The instructions include 10% mandatory cut in expenditure, alongwith ban on (a) holding of seminars and conferences abroad and at five star hotels (b) purchase of new vehicles, (c) foreign travel, etc.

Draft a self contained proposal and a draft letter on behalf of the Secretary, DeitY to all the Heads of Attached and Societies under its administrative control requesting them to adhere to economy instructions.

(20 marks)

4. इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में सहायक अभियंता (विद्युत) के एक पद पर वेतन बैंड–2, 9300–34800 के साथ ग्रेड वेतन 4600 रुपए प्रति माह पर प्रतिनियुक्ति आधार पर आरंभ में एक वर्ष की अवधि के लिए भरने की आवश्यकता है। प्रत्याशी के पास विद्युत इंजीनियरी में डिप्लोमा के साथ 3 वर्ष तक विद्युत संस्थापनाओं, में निर्माण और रखरखाव सहित लिफ्ट, टेलीफोन एक्सचेंज, वातानुकूलन आदि की डिजाइनिंग, अनुमान संविदाओं, निरीक्षण आदि में 3 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। केंद्र सरकार या राज्य सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के अधिकारी जो मूल संवर्ग / विभाग में नियमित आधार पर समकक्ष पद पर या कनिष्ठ अभियंता के पद पर 3 वर्ष के अनुभव सहित वेतन बैंड–2, 9300–34800 के साथ ग्रेड वेतन 4200 रुपए प्रति माह पर या मूल संवर्ग में समकक्ष पद पर हैं उन्हें उपरोक्त कथित पद के लिए आवेदन की पात्रता है। आयु सीमा : आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि पर 56 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

भारत सरकार के सभी मंत्रालयों / विभागों में पद को परिचालित करने के लिए एक कार्यालय ज्ञापन तैयार करें।

(20 अंक)

5. वित्त मंत्रालय ने आदेश जारी किया है कि अंतरदेशीय और अंतरराष्ट्रीय सभी प्रकार की यात्रों के मामले में जहां भारत सरकार हवाई यात्रा का खर्च उठाती है संबंधित अधिकारी केवल एयर इंडिया से यात्रा करें। इसे विचलन के सभी मामलों में परिचालन या अन्य कारणों से या टिकट उपलब्ध नहीं होने पर ये अलग अलग मामले रियायत हेतु नागरिक उड्डयन मंत्रालय भेजे जाएं। आपके मंत्रालय के संयुक्त सचिव को 12.2.2014 को चेन्नई में एक बैठक में हिस्सा लेना है और अगले दिन उन्हें त्रिवेंद्रम जाना है चूंकि उसी दिन एयर इंडिया की कोई उड़ान नहीं है, अतः उन्हें बैठक में भाग लेने के लिए निजी एयर लाइन्स से यात्रा करने की जरूरत है। एक संबंधित कर्मचारी के तौर पर अनिवार्य छूट प्रदान करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय को भेजने हेतु एक पत्र का प्रारूप तैयार करें।

(20 अंक)

4. One post of Assistant Engineer (Electrical) in the pay Band-2, 9300-34800 plus Grade pay of 4600 per month, in Department of Electronics and Information Technology, on deputation basis, initially for a period of one year is required to be filled up. Candidates must be possessing, Diploma in Electrical Engineering with three years experience in construction and maintenance including designing, estimating contracts, supervision etc., of electrical installations, lifts, telephone exchange, air conditioning, etc. Officers of Central Government or State Governments or Public Undertakings holding analogous post on regular basis in the parent cadre/Department or Junior Engineer with three years experience in grade in the scale of pay in PB-2, 9300-34800 plus grade pay of Rs.4200 or equivalent in the parent cadre will be eligible to apply for the above said post. Age limit: shall not exceed 56 years on closing date of receipt of application.

Prepare an Office Memorandum for circulating the post to all the Ministries/Departments of the Government of India.

(20 marks)

5. Ministry of Finance has issued instructions that in all cases of air travel both domestic and international, where the Government of India bears the cost of air passage, the official concerned may travel only by Air India. In all cases of deviation because of operational or other reasons or on account of non-availability of tickets, individual cases may be referred to the Ministry of Civil Aviation for relaxation. The Joint Secretary of your Ministry has to attend the meetings in Chennai on 12.2.2014 and next day in the morning at Trivandrum. As there is no flight of Air India on the same day, he needs to travel by private airlines to attend the meeting. As a dealing hand draft a letter to be sent to Ministry of Civil Aviation requesting to grant necessary relaxation.

(20 marks)